एक नजर में

चांदबर्डा के दोहरे हत्याकांड का पर्दाफाश, तीन आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर। गरोठ थाना क्षेत्र के ग्राम चांदबर्डा में गत दिनों हुए सनसनीखेज दोहरे हत्याकांड का पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से लूटे गए चांदी के आभूषण, वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन एवं अन्य सामग्री जब्त की गई है। मामले में शामिल एक अन्य आरोपी ने मनासा स्थित अपने घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार 25 अगस्त को चांदबर्डा निवासी नारायण बंजारा ने सूचना दी थी कि उसके माता-पिता देवीलाल एवं भुलीबाई खेत पर बनी झोपड़ी में सो रहे थे। रात में अज्ञात बदमाशों ने भारी पत्थरों से हमला कर देवीलाल की हत्या कर दी, जबकि गंभीर रूप से घायल भुलीबाई की उपचार के दौरान मौत हो गई। जांच के दौरान भुलीबाई के पैरों में पहने जाने वाले चांदी के आमले (कड़े) गायब मिलने से पुलिस को लूट के बाद हत्या की आशंका हुई। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीणा के निर्देशन में साइबर सेल, डॉग स्क्वायड एवं एफएसएल टीम की मदद से विशेष टीमों का गठन किया गया। तकनीकी एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने कान्हा उर्फ करण, पवन एवं संतोषबाई उर्फ संता को गिरफ्तार किया। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि संतोषबाई के कान्हा उर्फ करण से प्रेम संबंध थे। आरोप है कि पैसों के लिए संतोषबाई ने अपने साथियों को बुजुर्ग दंपती के अकेले खेत पर बनी झोपड़ी में रहने तथा भुलीबाई द्वारा भारी चांदी के आमले पहनने की जानकारी दी थी। इसके बाद आरोपियों ने 24-25 अगस्त की रात वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर करीब 50 हजार रुपए मूल्य के चांदी के आमले, 50 हजार रुपए कीमत की बिना नंबर की मोटरसाइकिल, तीन मोबाइल फोन तथा वारदात के दौरान पहने गए कपड़े जब्त किए हैं। मामले में आगे की विवेचना जारी है। इस कार्रवाई में गरोठ थाना प्रभारी बलवीर सिंह यादव सहित थाना पुलिस, साइबर सेल एवं विशेष टीम के अधिकारियों-कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बाबा रामदेव जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए भादवी बीज तक चलेगा सेवा शिविर

पिपलियामंडी। बाबा रामदेव के दर्शन के लिए पैदल एवं अन्य साधनों से जाने वाले श्रद्धालुओं की सेवा के लिए रेवास देवड़ा में 22 अगस्त से राम रसोड़े की शुरुआत हुई थी। यह सेवा शिविर भादवी बीज तक लगातार संचालित होगा। हर वर्ष की तरह इस बार भी रेवास देवड़ा एवं आसपास के ग्रामीणों के सहयोग से राम रसोड़े का आयोजन किया जा रहा है। रेवास देवड़ा के पशु चिकित्सक अशोक कुमावत ने बताया कि बाबा रामदेव के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस मार्ग से गुजरते हैं। यात्रियों की सुविधा और सेवा के उद्देश्य से ग्रामीण मिलकर राम रसोड़े का संचालन करते हैं। ग्रामीण प्रतिदिन अपनी सेवाएं देकर श्रद्धालुओं के लिए भोजन-पानी सहित आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने में सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि राम रसोड़ा ग्रामीणों के सामूहिक सहयोग और सेवा भावना से प्रतिवर्ष संचालित होता है। यहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को ठहरने, भोजन एवं जलपान आदि की सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि धार्मिक यात्रा पर निकलने वाले श्रद्धालुओं की सेवा करना पुण्य का कार्य है और इसी भावना से सभी लोग आयोजन में सहयोग करते हैं।

भौतिक साधनों में सुख नहीं, सुखों में उलझो मत- मुनिश्री विरल विजयजी

मंदसौर। आजकल आधुनिक जीवन शैली का असर हमारी जीवन चर्या में भी देखने को मिल रहा है। जितने भौतिक साधन ब? हैं उतनी ही उन पर निर्भरता ब?ी है। भौतिक साधनों के प्रति हमारी यही निर्भरता हमारे दुखों का कारण बनती है। भौतिक साधन हमें सुख देते हैं यह विचार हमारे मन में बैठे हैं जबकि इन भौतिक साधनों से सुख नहीं दुख ही मिलेगा। जीवन में हमें भौतिक साधनों के सुखों में उलझना नहीं है। उक्त उद्गार परम पूज्य जैन संत मुनिराज श्री विरल विजयजी म.सा. आदि ठाणा 2 ने नई आबादी स्थित आराधना भवन मंदिर हाल में आयोजित धर्मसभा में कहे। आपने रविवार को यहाँ आयोजित धर्मसभा में कहा कि भौतिक साधनों में जितना सुख अनुभव कर रहे हो बाद में आपको अगले भव में उतना ही दुख भोगना प?ेगा। सांसारिक भोग में जितना आनंद है उतना ही दुख पाना सरल एवं ब?कष्ट देने वाला है। जैन धर्म व दर्शन में कई चक्रवर्ती राजा-महाराजाओं का वर्णन मिलता है जिन्होंने चक्रवर्ती राजा पद प्राप्त (दिक्षा) ली थी।

रेलवे स्टेशन मार्ग पर जाम से बेहाल यात्री

- अवैध ठेले, गुमटियों और बेतरतीब खड़े वाहनों से संकरा हुआ रास्ता
- कई यात्रियों की ट्रेन छूटने का रहता है खतरा

मंदसौर। शहर के प्रमुख आवागमन केंद्र मंदसौर रेलवे स्टेशन तक पहुंचना इन दिनों यात्रियों के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। स्टेशन मार्ग पर वाहनों की बेतहाशा भीड़, सड़क किनारे लगी गुमटियां, चाय के ठेले तथा बेतरतीब खड़े ऑटो रिक्शा के कारण आए दिन यातायात जाम की स्थिति निर्मित हो रही है। रविवार को भी स्टेशन मार्ग पर कारों और दोपहिया वाहनों का ऐसा काफिला लगा कि पैदल यात्रियों तक का निकलना मुश्किल हो गया।

स्थिति यह रही कि वाहन चालक करीब एक घंटे तक जाम से बाहर निकलने के लिए जद्दोजहद करते रहे। कोई जैसे-तैसे रास्ता निकालने में सफल हुआ तो कई वाहन चालक जाम में फंसे रहे। स्टेशन पहुंचने वाले यात्रियों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ा। समय पर रेलवे स्टेशन नहीं पहुंच पाने के कारण यात्रियों की ट्रेन छूटने की आशंका भी बनी रहती है।

> **न यातायात नियंत्रण, न कोई स्थायी व्यवस्था**
> नागरिकों का कहना है कि व्यस्त समय और ट्रेनों के आगमन-प्रस्थान के दौरान स्टेशन मार्ग पर यातायात पुलिस की प्रभावी व्यवस्था नजर नहीं आती। जाम लगने के बाद भी लंबे समय तक कोई यातायात नियंत्रित करने वाला दिखाई नहीं देता, जिसके कारण वाहन चालक अपनी सुविधा के अनुसार निकलने का प्रयास करते हैं और स्थिति और अधिक अव्यवस्थित हो जाती है। रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री आते-जाते हैं। इनमें बुजुर्ग, महिलाएं, बच्चे और सामान के साथ यात्रा करने वाले लोग भी शामिल रहते हैं। ऐसे में जाम की स्थिति उनके लिए भारी परेशानी का कारण बनती है। समय पर स्टेशन नहीं पहुंच पाने से यात्रियों की ट्रेन छूटने की नौबत तक आ सकती है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि रेलवे स्टेशन मार्ग पहले से ही संकरा है, लेकिन सड़क किनारे अव्यवस्थित रूप से लगने वाली गुमटियां, चाय-नाश्ते के ठेले और लंबे समय तक खड़े रहने वाले ऑटो रिक्शा समस्या को और गंभीर बना रहे हैं। कई स्थानों पर वाहन चालक मनमाने ढंग से वाहन खड़े कर देते हैं, जिससे बची-खुची सड़क भी संकरी हो जाती है और देखते ही देखते लंबा जाम लग जाता है।

प्रशासन से स्थायी समाधान की मांग-शहरवासियों ने जिला एवं पुलिस प्रशासन से मांग की है कि स्टेशन मार्ग पर यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए ठोस और स्थायी कदम उठाए जाएं। सड़क किनारे अव्यवस्थित रूप से लगी गुमटियों एवं ठेलों को व्यवस्थित स्थान पर स्थानांतरित किया जाए। साथ ही ऑटो रिक्शा के लिए निर्धारित स्टैंड बनाया जाए, ताकि वे सड़क पर खड़े होकर यातायात बाधित न करें। नागरिकों का कहना है कि ट्रेनों के प्रमुख समय पर यातायात पुलिस की तैनाती सुनिश्चित की जाए तथा स्टेशन पहुंचने और वहां से बाहर निकलने वाले मार्गों पर अतिक्रमण हटाकर पर्याप्त जगह उपलब्ध कराई जाए।

परमात्मा के वचनों के प्रति श्रद्धा रखो : मुनि श्री प्रत्यक्षरत्नविजयजी

मंदसौर। संसार में अधिकांश मनुष्य चाहे वे किसी भी धर्म के हो वे ईश्वर या परमात्मा, प्रभु या जो भी नाम दे दो उसे मानते ही हैं। प्रभु को मानना और उनके बताये मार्ग पर चलना हमारा कर्तव्य होना चाहिये लेकिन जीवन में वास्तविकता यह है कि हम प्रभु (परमात्मा) को तो मानते हैं लेकिन प्रभु (परमात्मा) की नहीं मानते अर्थात परमात्मा ने हमें जीवन में जो जिनवाणी का संदेश दिया है हम उसे पूरी तरह नहीं मानते, इसी कारण हमारे मन में अस्थिरता है, दुख है। जीवन में हम परमात्मा को मानने के बजाय यदि परमात्मा के वचनों को भी मानो तभी जीवन में कल्याण होगा।

उक्त उद्गार परम पूज्य जैन संत मुनिराज श्री प्रत्यक्षरत्न विजयजी

म.सा. ने राजेन्द्र विलास जीवागंज में आयोजित धर्मसभा में कहे। आपने मुनि श्री पवित्ररत्नजी म.सा. क उपस्थिति में रविवार को आयोजित धर्मसभा में कहा कि परमात्मा के वचनों अर्थात जिनवाणी को याद करना परमात्मा को याद करने के समान महत्वपूर्ण है।

कई बार हम परमात्मा की प्रतिमा की तो पूजा करते हैं उनके दर्शन-वंदन करते हैं लेकिन परमात्मा ने जो जीवन दर्शन जिनवाणी का संदेश दिया है हम उसे स्मरण नहीं रखते हैं। हमारी यही प्रवृत्ति ही हमारे दुखों एवं मन की अस्थिरता का कारण है। आपने कहा कि जीवन में यदि हम परमात्मा के वचनों पर श्रद्धा रखेंगे तो इस संसार रूपी भवसागर में डूबने से बच जायेंगे। जीवन में आपने यदि परमात्मा के वचनों अर्थात उनकी शिक्षाओं को भुला दिया तो समझो आपने परमात्मा को भी भुला दिया।

साकेत नगर उद्यान में किया वृक्ष रक्षा बंधन कार्यक्रम

मंदसौर। सृष्टि सेवा संकल्प, मंदसौर इकाई द्वारा 30 अगस्त 2026, रविवार को साकेत नगर उद्यान, पाटिल कॉलोनी, मंदसौर में वृक्ष रक्षाबंधन कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया।

इस आयोजन में राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रशांत गुप्ता, प्रदेश उपाध्यक्ष अरविंद बोथरा, जिलाध्यक्ष देवेन्द्र मरच्या, जिला मंत्री मनीष तिवारी, हिमांशु जैन, पुलकित डांगी, सौरभ सोमानी, लोकेंद्र जैन, लोकेश जैन, आशीष जैन, डॉ. मुकेश बाग?ी, प्रवीण गर्ग, दिनेश जैन, राजेंद्र मंगल, रवि रिजवानी, गोपाल त्रिवेदी, अशोक जैन, शरद धींग, रणजीतसिंह चंद्रावत, और मातृशक्ति के रूप में शानू जैन, मीणा बोथरा, स्वाति तिवारी उपस्थित थे।

उपस्थित सदस्यों ने उद्यान के विशाल नीम वृक्ष पर पारंपरिक राखी बांधकर उसकी रक्षा एवं संवर्धन का संकल्प लिया। वृक्ष को फूल-माला और पीले वस्त्र से सजाया गया था, जिसे देखकर सभी में पर्यावरण प्रेम की भावना जागृत हुई। प्रशांत गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि जिस प्रकार हम बहन की रक्षा का वचन देते हैं, उसी प्रकार वृक्षों की रक्षा करना भी हमारा कर्तव्य है। उन्होंने वृक्षों को जीवनदाता बताते हुए सभी से एक-एक वृक्ष गोद लेकर उसकी देखभाल करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर कॉलोनी के वरिष्ठ नागरिक, महिलाएं एवं पर्यावरण प्रेमी सपरिवार उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

इनरव्हील क्लब मंदसौर ने जिला जेल में कैदी भाइयों के साथ मनाया रक्षाबंधन का त्योहार

मंदसौर। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर इनर व्हील क्लब मंदसौर द्वारा जिला जेल, मंदसौर में कैदी भाइयों के साथ आत्मीयता एवं भाईचारे का पर्व मनाया गया।

क्लब की सदस्यों ने सभी भाईयों को कंकू-तिलक लगाकर राखी बांधी एवं राखियां भेंट कीं। इस आत्मीय पहल से वहां का वातावरण भावनाओं और अपनत्व से भर गया। राखी बंधवाकर सभी भाई अत्यंत प्रसन्न एवं भावुक नजर आए। उनके चेहरों पर खुशी देखकर क्लब की सदस्यों को भी अपार संतोष एवं आनंद की अनुभूति हुई। इस अवसर पर क्लब की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती उर्मिला तोमर, अध्यक्ष अंजना पटेल, विजेता एवं क्लब की अन्य सदस्याएँ उपस्थित रहीं। यह छोटा सा प्रयास समाज के हर वर्ग तक प्रेम, सम्मान, अपनत्व और भाईचारे का संदेश पहुंचाने की एक सुंदर पहल रही। राखी केवल एक धागा नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास और रिश्तों की डोर है।

एक नजर | विधायक विपिन जैन ने श्रमदानियों के साथ नदी में उतरकर संभाली सफाई की कमान

शिवना शुद्धिकरण का कारवां 140वें दिन भी जारी

मंदसौर। शहर की जीवनदायिनी शिवना नदी को स्वच्छ, निर्मल और प्रदूषण मुक्त बनाने के संकल्प के साथ चल रहा जनभागीदारी आधारित शुद्धिकरण अभियान रविवार को 140वें दिन भी पूरे उत्साह और समर्पण के साथ जारी रहा। सुबह की पहली किरण के साथ बड़ी संख्या में श्रमदानी पशुपतिनाथ मंदिर के समीप शिवना नदी तट पर पहुंचे और नदी में उतरकर सफाई अभियान चलाया।

श्रमदानियों ने नदी में जमा प्लास्टिक कचरा, फूल-मालाएं एवं अन्य अपशिष्ट सामग्री को बाहर निकाला। वहीं नदी किनारे उग आई गाजर घास को उखाड़कर आसपास के क्षेत्र को भी स्वच्छ बनाया गया। लगातार 140 दिनों से जारी इस अभियान ने अब जनआंदोलन का स्वरूप ले लिया है, जिसमें विभिन्न वर्गों के लोग स्वेच्छा से शामिल होकर शिवना के संरक्षण का संकल्प निभा रहे हैं। रविवार को मंदसौर विधायक विपिन जैन भी श्रमदानियों के साथ शिवना नदी में उतरे और स्वयं सफाई कार्य में सहभागिता की। उन्होंने श्रमदानियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि शिवना नदी मंदसौर की आस्था, संस्कृति और पहचान से जुड़ी हुई है। इसे स्वच्छ और निर्मल बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

विधायक जैन ने कहा कि किसी भी अभियान की सफलता जनभागीदारी से ही संभव होती है। शिवना शुद्धिकरण के लिए जिस निरंतरता और समर्पण के साथ शहरवासी श्रमदान कर रहे हैं, वह निश्चित रूप से प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि केवल प्रशासन या किसी एक संस्था के भरोसे नदी संरक्षण का कार्य संभव नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को इसमें अपनी जिम्मेदारी समझकर योगदान देना होगा।

नीमच

एक नजर में

दंपती ने मौत के बाद देहदान का लिया संकल्प

नीमच। जावद निवासी 83 वर्षीय सत्यनारायण राठी और उनकी 77 वर्षीय पत्नी शांतिबाई राठी ने मृत्यु के बाद देहदान करने का संकल्प लिया है। दंपती के इस निर्णय को चिकित्सा शिक्षा और शोध के लिए महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। शनिवार शाम भारत विकास परिषद की जावद शाखा के माध्यम से दोनों ने देहदान का संकल्प पत्र भरा। दंपती के निर्णय में परिवार का पूरा समर्थन रहा। उनकी चारों बेटियां सूरज गगरानी (रतलाम), सरोज आगर (जोबट), संतोष बियानी (दाहोद) और अंतिमबाला दरक (नीमच) भी इस फैसले के लिए प्रेरणा बनीं। परिवार ने दंपती के संकल्प का स्वागत करते हुए इसे समाजसेवा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। संकल्प लेते समय सत्यनारायण राठी ने कहा कि जीवन रहते हर व्यक्ति समाज के लिए किसी न किसी रूप में योगदान करता है। यदि मृत्यु के बाद भी उनका शरीर चिकित्सा शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों के अध्ययन और शोध के काम आ सके, तो इससे बड़ा परोपकार और सेवा का माध्यम नहीं हो सकता। सत्यनारायण राठी ने मार्केटिंग सोसायटी में प्रबंधक के रूप में करीब 40 वर्षों तक सेवाएं दीं। सेवानिवृत्ति के बाद भी वे सामाजिक गतिविधियों से जुड़े रहे। उन्होंने जावद रोटरी क्लब के अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी संभाली। पत्नी शांतिबाई ने उनके सामाजिक कार्यों में लगातार सहयोग किया। भारत विकास परिषद के रीजनल सचिव प्रदीप चौपड़ा और पूर्व अध्यक्ष निरंजन गोयल के सहयोग से देहदान का संकल्प पत्र भरवाया गया। इस अवसर पर परिषद अध्यक्ष महेश सोनी, सचिव दीपेश जोशी, दिलीप राठी, मधुसूदन मुछाल और प्रहलाद सोनी सहित कई सदस्य मौजूद रहे। परिषद के सदस्यों और उपस्थित लोगों ने राठी दंपती के निर्णय की सराहना की। उन्होंने इसे समाज में देहदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने वाला कदम बताया। सदस्यों का कहना था कि निस्वार्थ भाव से जीवन जीने के साथ मृत्यु के बाद भी शरीर को चिकित्सा शिक्षा और शोध के लिए समर्पित करना समाज के लिए प्रेरणादायक है।

मशीनरी एसोसिएशन नीमच के चुनाव संपन्न

नीमच। मशीनरी एसोसिएशन, नीमच के चुनाव संपन्न हो गए हैं। चुनाव के बाद नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें दिनेश मंडावरिया को अध्यक्ष, राकेश माली को सचिव और सतीश पाटीदार को उपाध्यक्ष चुना गया। नई कार्यकारिणी के गठन के बाद एसोसिएशन से जुड़े सदस्यों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। पदाधिकारियों ने भी एसोसिएशन के सभी सदस्यों का आभार जताते हुए संगठन की एकजुटता और मजबूती के लिए मिलकर कार्य करने की बात कही। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों में अध्यक्ष दिनेश मंडावरिया, सचिव राकेश माली और उपाध्यक्ष सतीश पाटीदार शामिल हैं। राकेश माली शिवम मशीनरी, दिनेश मंडावरिया दिनेश मशीनरी, फव्वारा चौक (फाउंटेन) और सतीश पाटीदार सतीश इलेक्ट्रिकल, नीमच से जुड़े हैं। नई कार्यकारिणी के गठन से एसोसिएशन के सदस्यों में उत्साह का माहौल है।

मां-बेटे की मौत के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठे सवाल

सिंगोली। रक्षाबंधन के दिन सड़क हादसे में घायल हुए सिंगोली निवासी मनीष जैन और उनकी मां लाड़बाई की उपचार के दौरान मौत के बाद स्थानीय स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। घटना से जैन समाज सहित पूरे नगर में शोक का माहौल है। वहीं मृतक के ससुराल पक्ष ने अस्पताल में पर्याप्त आपातकालीन सुविधाएं और लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस उपलब्ध नहीं होने का आरोप लगाते हुए प्रशासन से व्यवस्था में सुधार की मांग की है।

मृतक मनीष जैन के साले प्रमोद जैन का आरोप है कि दुर्घटना के बाद दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिंगोली लाया गया था। गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें उच्च चिकित्सा केंद्र के लिए रेफर किया

गया, लेकिन अस्पताल की ओर से लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस, ऑक्सीजन और पैरामेडिकल स्टाफ की सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई। परिजनों को निजी साधन से घायलों को आगे ले जाना पड़ा। उनका दावा है कि रास्ते में ऑक्सीजन की पर्याप्त सुविधा नहीं मिलने से दोनों की हालत बिगड़ी और बाद में उनकी मौत हो गई।

अस्पताल प्रबंधन ने आरोपों से किया इनकार- वहीं मामले में अस्पताल प्रबंधन और ड्यूटी डॉक्टरों का कहना है कि सड़क दुर्घटना के बाद मरीजों को तत्काल अस्पताल लाया गया था। चिकित्सकीय परीक्षण के बाद आवश्यक प्राथमिक उपचार एवं उपलब्ध संसाधनों के अनुसार उपचार किया गया। मरीजों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बिना अनावश्यक देरी के उच्चतर चिकित्सा संस्थान में उपचार के लिए रेफर किया गया।

> **राजस्थान के नजदीक होने का हवाला देकर उठाया सवाल**
> प्रमोद जैन ने सिंगोली की भौगोलिक स्थिति का हवाला देते हुए कहा कि यह क्षेत्र राजस्थान की सीमा से लगा हुआ है और कोटा जैसे बड़े चिकित्सा केंद्र अपेक्षाकृत नजदीक हैं। उनका कहना है कि गंभीर मरीजों के लिए रेफरल की ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए, जिससे मरीज का गोल्डन ऑवर रास्ते में बर्बाद न हो। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि सिंगोली में गंभीर मरीजों के लिए बेहतर आपातकालीन चिकित्सा, ऑक्सीजन और लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस की स्थायी व्यवस्था की जाए।

67 लाख नशीली गोलियां के साथ ट्रक-चालक गिरफ्तार

नीमच। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ नारकोटिक्स (सीबीएन) की मध्य प्रदेश टीम ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। सीबीएन नीमच यूनिट से मिली गुप्त सूचना के आधार पर 'ऑपरेशन वज्र 2.0' के तहत चंडीगढ़-बद्दी अंतरराज्यीय मार्ग पर लगभग 66.80 लाख नशीली गोलियां जब्त की गईं। इस दौरान एक ट्रक और उसके चालक को भी गिरफ्तार किया गया है।

अधिकारियों ने शनिवार रात जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें पंजाब-हिमाचल प्रदेश कॉरिडोर के जरिए नशीली दवाओं की आपूर्ति की पुख्ता जानकारी मिली थी। इसके बाद विशेष टीम ने बद्दी मार्ग पर रातभर कड़ी निगरानी रखी।

संदिग्ध ट्रक के पहुंचते ही उसे घेराबंदी कर रोका गया और सुरक्षा कारणों से सुरक्षित स्थान पर ले जाकर तलाशी ली गई। पूरी जब्ती और पंचनामा तैयार करने में अधिकारियों को 14 घंटे से अधिक का समय लगा।

एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज-ट्रक में रखे 120 बड़े मास्टर कार्टन की जांच करने पर उनमें अल्प्राजोलम की 59.08 लाख, ट्रामाडोल की 7.47 लाख, नाइट्राजेपम की 23.7 हजार और क्लोनाजेपम की 400 गोलियां पाई गईं। तस्करी के इस अंतरराज्यीय रैकेट को छिपाने के लिए गोलियों की स्ट्रिप्स और बॉक्स से बैच नंबर, निर्माण तिथि और एक्सपायरी डेट जानबूझकर मिटा दी गई थी।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत सितंबर में चार शिविर

नीमच। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत नीमच जिले में सितंबर माह में चार शिविर आयोजित किए जाएंगे। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा जारी रोस्टर के अनुसार शिविरों में संबंधित नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायतों के नागरिकों की समस्याओं का निराकरण किया जाएगा।

अभियान के तहत 3 सितंबर को नगर परिषद रामपुरा में शिविर आयोजित होगा। इसमें नगर परिषद रामपुरा के साथ ग्राम पंचायत बैसला, बारवाड़िया, मजीरिया, चेनपुरिया, चन्द्रपुरा, अमरपुरा, बुज, डायली, खिमलाब्लॉक, खेतपालिया, लसुड़िया ईस्तमुरार एवं सोनडी क्षेत्र शामिल रहेंगे।

11 सितंबर को नगरपालिका जावद में शिविर होगा। इसमें नगर परिषद जावद, नगर परिषद नयागांव तथा नगर परिषद अठाना के नागरिक शामिल होंगे।

18 सितंबर को नगर परिषद जीरन में शिविर आयोजित किया जाएगा। इसमें नगर परिषद जीरन के साथ ग्राम पंचायत अमावली जागीर, बमोरा, चीताखेड़ा, धामनिया, घसुण्डी जागीर, हरनावदा, कराडिया महाराज, महुड़िया, राबडिया एवं सोनियाना क्षेत्र शामिल रहेंगे।

इसी क्रम में 25 सितंबर को नगर परिषद कुकड़ेश्वर में शिविर होगा। इसमें नगर परिषद कुकड़ेश्वर तथा ग्राम पंचायत कुंडालिया, पावटी, मोया, नलवा, कुन्दवासा, भदवास, लसुड़ियाआंत्री, बरखेड़ा, तलाऊ, हनुमंतिया, फूलपुरा, चिकली ब्लॉक एवं भाटखेड़ी खुर्द क्षेत्र के नागरिक शामिल होंगे।

एक नजर | 30 उपवास की तपस्या पूर्ण होने पर साध्वी जिनांग पूर्णा श्रीजी की अनुमोदना

तपस्या से पाप कर्मों की निर्जरा, मन और आत्मा होती है पवित्र

नीमच। तपस्या करने से जीव शिव बन सकता है, नर से नारायण और आत्मा परमात्मा बन सकती है। तपस्या पाप कर्मों की निर्जरा का माध्यम है। इससे मन पवित्र और विचार शुद्ध होते हैं तथा मोक्ष मार्ग की ओर बढ़ने का अवसर मिलता है। यह बात साध्वी अमी दर्शा श्रीजी महाराज साहब ने कही।

वे श्री भीड़ भंजन पार्श्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में जैन भवन सभागार में साध्वी जिनांग पूर्णा श्रीजी महाराज साहब की 30 उपवास की तपस्या पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित धर्मसभा को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर स्वामी ने भी जीवों को प्रेरणा देने के लिए साढ़े 12 वर्ष तक तपस्या की। तप करना सरल है, लेकिन तप के साथ जप करना कठिन होता है। साध्वी जिनांग पूर्णा श्रीजी ने 30 दिनों में 1000 नवकार वाली नमस्कार महामंत्र की जाप साधना भी पूर्ण की है। नीमच सिटी में चातुर्मास कर रहीं साध्वी समवेग प्रिया श्रीजी ने 'शुभ भाव जागो रे, मुक्ति मार्ग नो रंग लागो रे' गीत प्रस्तुत किया। वहीं विकास नगर में चातुर्मास कर रहीं साध्वी रत्न निधि श्रीजी महाराज साहब ने कहा कि तपस्या में भूखे रहना सरल है, लेकिन उसे आत्मसात करना कठिन है। छोटी-छोटी तपस्याओं से ही बड़ी तपस्या का मार्ग प्रशस्त होता है। जिस प्रकार दीपक को जलाने के लिए तेल आवश्यक है, उसी प्रकार पाप कर्मों को क्षीण करने के लिए तपस्या आवश्यक है। कार्यक्रम के अवसर पर सुबह 9 बजे पुस्तक बाजार के समीप स्थित भीड़ भंजन पार्श्वनाथ मंदिर सभागार में पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद तपस्वी साध्वी जिनांग पूर्णा श्रीजी के सम्मान में रथ यात्रा निकाली गई। इस दौरान नगर तपस्वी के जयघोष से गूंज उठा।